स्नातक उपाधि कार्यक्रम
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2021

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी
बी.एच.डी.ई.-101 / ई.एच.डी.-1 : हिन्दी गद्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष में से **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) "जैसे मैं जानता ही न होऊँ । रात भर तुम अपने दोनों कम्बल उसे उढाते हो और आप सिगड़ी के सहारे गुज़र करते हो । उसके पहरे पर आप पहरा दे आते हो । अपने सूखे लकड़ी के तख़्तों पर उसे सुलाते हो, आप कीचड़ में पड़े रहते हो । कहीं तुम न माँदे पड़ जाना । जाड़ा क्या है, मौत है और 'निमोनिया' से मरने वालों को मुरब्बे नहीं मिला करते ।"

(ख) इस समय बालक को गोद में लिये हुए उसे वह तुष्टि हो रही थी जो अब तक कभी नहीं हुई थी । आज पहली बार उसे आत्मवेदना हुई, जिसके बिना आस नहीं बदलती, अपना कर्त्तव्य मार्ग नहीं सूझता । वह मार्ग अब दिखायी देने लगा ।

(ग) यह कथा अनेक क्षेपकोमय विस्तार के साथ सुनाई तो गई थी मेरा मन फेरने के लिए और मन फिरा भी, परन्तु किसी सनातन नियम से कथावाचक की ओर न फिर कर कथा के नायकों की ओर फिर गया और इस प्रकार घीसा मेरे और अधिक निकट आ गया । वह अपना जीवन संबंधी अपवाद कदाचित् पूरा नहीं समझ पाया था, परन्तु अधूरे का भी प्रभाव उस पर कम न था, क्योंकि वह सबको अपनी छाया से इस प्रकार बचाता रहता था, मानो इसे कोई छूत की बीमारी हो ।

(घ) राजनीति ? राजनीति ही मनुष्यों के लिए सब कुछ नहीं । राजनीति के पीछे नीति से भी हाथ न धो बैठो, जिसका विश्व मानव के साथ व्यापक संबंध है । राजनीति की साधारण छलनाओं से सफलता प्राप्त करके क्षण भर के लिए तुम अपने को चतुर समझ लेने की भूल कर सकते हो । परन्तु इस भीषण संसार में प्रेम करने वाले हृदय को खो देना, सबसे बड़ी हानि है ।

(ङ) लेकिन यह भी कैसे कहूँ नाख़ून काटने से क्या होता है ? मनुष्य की बर्बरता घटी कहाँ है, वह तो बढ़ती जा रही है । मनुष्य के इतिहास में हिरोशिमा का हत्याकांड बार-बार थोड़े ही हुआ है । यह तो उसका नवीनतम रूप है । मैं मनुष्य के नाख़ून की ओर देखता हूँ कि कभी-कभी निराश हो जाता हूँ । ये उसकी भयंकर पाशवी वृत्ति के जीवंत प्रतीक है । मनुष्य की पशुता को जितनी बार काट दो, वह मरना नहीं जानती ।

2. 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी की कथावस्तु का उल्लेख कीजिए । *16*

3. हिन्दी कहानी की परंपरा का परिचय दीजिए । *16*

4. 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर उसके प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए । *16*

5. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर ध्रुवस्वामिनी का चरित्र-चित्रण कीजिए । *16*

6. नाटक के विभिन्न भेदों का उल्लेख करते हुए रेडियो नाटक की विशिष्टता बताइए । *16*

7. 'घीसा' रेखाचित्र के माध्यम से महादेवी वर्मा क्या कहना चाहती हैं ? अपने शब्दों में लिखिए । *16*

8. 'भैया एक्सप्रेस' कहानी की संरचना-शिल्प पर प्रकाश डालिए । *16*

9. कथेतर गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय दीजिए । *16*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×8=16*

(क) उपन्यास की भाषा

(ख) 'नाख़ून क्यों बढ़ते हैं' की अंतर्वस्तु

(ग) 'ध्रुवस्वामिनी' का परिवेश

(घ) 'ठेस' कहानी का प्रतिपाद्य